अनुक्रमांक / **Roll No.**

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : **10**
Total No. of Questions : **10**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **12**
No. of Printed Pages : **12**

M-2015-V

सामान्य हिन्दी
GENERAL HINDI

पाँचवाँ प्रश्न-पत्र
Fifth Paper

समय : **3** घंटे]
Time : **3** Hours]

[पूर्णांक : **200**
[Total Marks : **200**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :
Instructions to the candidates :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **10** प्रश्न हैं।

   This Question Paper consists of **ten** questions.

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
   All questions are compulsory.

3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।
   Marks for each question have been indicated on the right hand margin.

4. प्रश्न क्रमांक **01** में कोई विकल्प नहीं है। शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है।
There is no internal choice in Question No. **01**, remaining questions carry internal choice.

5. जहाँ शब्द सीमा दी गई है, उसका अवश्य पालन करें।
Wherever word limit has been given, it must be adhered to.

6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर ना लिखें।
Question should be answered exactly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answer of the other question should be inserted between them.

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

1. इन लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम **50** शब्दों में (एक या दो पंक्तियों में) दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का है । **$20 \times 3 = 60$**

(A) राजभाषा अधिनियम 1976 के तहत् निर्मित नियमों का उल्लेख कीजिए ।

(B) हिन्दी को राजभाषा के रूप में संवैधानिक मान्यता कब प्राप्त हुई ?

(C) राजभाषा परिनियमावली के अनुसार 'क' क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले किन्हीं तीन राज्यों के नाम लिखिए ।

(D) संसदीय राजभाषा समिति का गठन कब और क्यों हुआ ? इसमें कुल कितने सदस्य थे ?

(E) राजस्थानी, मराठी और नेपाली भाषाओं की लिपि बताइये ।

(F) भक्तिकालीन साहित्य में हिन्दी की किन बोलियों का अधिकाधिक प्रयोग किया गया है ?

(G) हिन्दी में विराम-चिह्नों के प्रयोग पर प्रकाश डालिए ।

(H) हिन्दी के प्रथम समाचार-पत्र तथा उसके सम्पादक का नाम उसके प्रकाशन वर्ष के साथ बताइये ।

(I) हिन्दी के पर्यायवाची शब्द को परिभाषित कीजिए ।

(J) हिन्दी के विकास में दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास (चेन्नई) के उद्देश्यों को लिखिए।

(K) तत्सम और तद्भव शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(L) देवनागरी लिपि की किन्हीं तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(M) हिन्दी में प्रयुक्त योजक, प्रश्नवाचक एवं विस्मयादीबोधक चिह्नों को दर्शाइए।

(N) स्रोत भाषा का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(O) भारत में पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन कब और कहाँ सम्पन्न हुआ ?

(P) टिप्पण लेखन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(Q) परिपत्र किसे कहते हैं ?

(R) संधि और समास में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(S) भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त किन्हीं तीन भाषाओं का नाम बताइये।

(T) 'संक्षेपण' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित गद्यावतरण का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

राष्ट्रीय चेतना का प्रवाह अविराम गति से बहता रहता है। जिस प्रकार हिमालय से निकलने वाली गंगा अनेक मार्ग और रूप ग्रहण करती है तथा भारत के लोगों की आध्यात्मिक और शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करती है; उसी प्रकार हिमालय की कन्दराओं में रहने वाले मनीषियों के विचार, उनके देशवासियों को अनेक रूपों में ऐक्य का संदेश देने वाले प्रेरणास्रोत रहे हैं। गंगा एक है, किन्तु उसके नाम अनेक हैं। चाहे उसे हम मंदाकिनी कहें या भागीरथी अथवा किसी अन्य नाम से पुकारें, वह है एक ही। उसका पवित्र जल लोगों को तृप्ति प्रदान करने वाली संजीवनी है। गंगा देश के सभी स्थानों, समस्त वर्गों, जातियों, गाँवों और शहरों के निवासियों का माँ के समान पालन-पोषण करती है। अपनी जन्मभूमि के प्रति भी यही मातृत्व-भावना भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना का मूल आधार है।

अथवा

जिज्ञासा मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है और आनन्द प्राप्ति उसकी स्वाभाविक कामना। घोर से घोर भौतिकवादी मनुष्य में भी ये दोनों प्रवृत्तियाँ स्वाभाविक और जन्म-जात हैं। उनका संतोषजनक शमन न होने पर मनुष्य में एक ओर तो अनास्था उत्पन्न होती है और दूसरी ओर भय, निराशा और अवसाद। यह मानव की विकृत अवस्था कही जा सकती है। सामान्य रूप से, आज का मानव, अधिक अतृप्त, अधिक उद्विग्न और अधिक दुखी है। इस विकृति से अनेक मानसिक और शारीरिक रोग उत्पन्न होते हैं। सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाय तो आज के स्नायु व्यतिक्रम का मूल कारण यह विकृति ही प्रतीत होती है। इस विकृति का निदान और उपचार दोनों ही कठिन हैं। इस प्रकार मानव का मानवत्व उसके दानवत्व से आच्छादित हो गया है और विडम्बना तो यह है कि मानव अपने बाह्य परितोष के लिए नैतिक और मानवीय मूल्यों की परिभाषा को ही बदलने में जुटा हुआ है।

3. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यावतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 15

Malviaji was known in India and abroad as a silver tongued orator. He had a grand command over Hindi, Sanskrit, Urdu and English. He could speak in all these languages with ease, fluency, effectiveness pronunciation, proper intonation and chaste enunciation. It was a pleasure to listen him in any one of the above languages. He possessed the matchless quality of moving his audience to tears or mirth in the twinkling of an eye.

अथवा/OR

In recent years there is increasing concern about our environment. The focus of discussion in our country has been on denudation of forests, which has led to adverse climate changes, soil erosion, shortage of fuel wood and loss of valuable forest wealth. It is also well-known that many tribal communities depend largely on forests for their livelihood. The impact of policies aimed at encouraging social forestry needs to be measured. Perhaps one could draw inspiration from the discipline of demography in devising methods of obtaining data on wealth represented by trees.

4. निम्नलिखित गद्यावतरण का **एक-तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए तथा रेखांकित पंक्तियों का भाव-पल्लवन अपने शब्दों में कीजिए : 10 + 5 = 15

प्रकृति अपने अनन्त रूपों में हमारे सामने आती है — कहीं मधुर, सुसज्जित या सुन्दर रूप में, कहीं रूखे, बेडौल या कर्कश रूप में; कहीं भव्य, विशाल या विचित्र रूप में, और कहीं उग्र, कराल या भयंकर रूप में। <u>सच्चे कवि का हृदय उसके उन सब रूपों में लीन होता है। उसके अनुराग का कारण अपना खास सुखभोग नहीं, बल्कि चिर साहचर्य द्वारा प्रतिष्ठित वासना है।</u> जो केवल प्रफुल्ल प्रसून प्रसाद के सौरभ संचार, मकरन्द लोलुप मधुकर के गुंजार, कोकिल कूजित निकुंज और शीतल सुखस्पर्श समीर की ही चर्चा किया

करते हैं, वे विषयी या भोगलिप्सु हैं। इसी प्रकार जो केवल मुक्ताभास हिम-बिन्दु मण्डित मरकताभ शाकदलजाल, अत्यन्त विशाल गिरिशिखर से गिरते जल-प्रपात की गम्भीर गति से उठी हुई सीकर निहारिका के बीच विविध वर्ण स्फुरण की विशालता, भव्यता और विचित्रता में ही अपने हृदय के लिए कुछ पाते हैं, वे तमाशबीन हैं, सच्चे भावुक या सहृदय नहीं। प्रकृति को साधारण, असाधारण सब प्रकार के रूपों को रखने वाले वर्णन हमें वाल्मीकि, कालिदास, भवभूति इत्यादि संस्कृत के प्राचीन कवियों में मिलते हैं। पिछले खेमे के कवियों ने मुक्तक रचना में तो अधिकतर प्राकृतिक वस्तुओं का अलग-अलग उल्लेख केवल उद्दीपन की दृष्टि से किया है। प्रबन्ध रचना में थोड़ा बहुत संश्लिष्ट चित्रण किया है, वह प्रकृति की विशेष रूप विभूति को लेकर ही।

अथवा

साहित्य मुर्दों को जीवित बनाने वाली संजीवनी औषधि की खान है। जिस प्रकार संजीवनी औषधि मुर्दों को जीवित बना देती है, उसी प्रकार यह साहित्य अपनी प्रेरणा एवं संजीवनी शक्ति द्वारा मृत जातियों एवं राष्ट्रों में जीवन का संचार कर देता है। साहित्य में इतनी शक्ति है कि वह पतनोन्मुख जातियों एवं राष्ट्रों को उठा देता है और उठे हुए लोगों के मस्तक को गौरव से ऊँचा कर देता है। जो राष्ट्र या जाति ऐसे साहित्य की अभिवृद्धि के लिए प्रयत्न नहीं करती है, वह अज्ञानरूपी अन्धकार के गड्ढे में गिरकर अपनी सत्ता समाप्त कर देती है। इसलिए साहित्य-सर्जन की क्षमता रखते हुए भी जो मनुष्य इतने महत्वपूर्ण साहित्य की सेवा नहीं करता, जो मनुष्य इतने महत्वपूर्ण साहित्य की अभिवृद्धि का प्रयत्न नहीं करता, इतने महत्वपूर्ण साहित्य से प्रेम नहीं रखता, वह अप्रत्यक्ष रूप में अपने देश, अपनी जाति, अपने समाज से ही द्रोह नहीं करता, बल्कि अपने से भी द्रोह करता है। वह व्यक्ति केवल आत्मद्रोही नहीं बल्कि वह अपने सर्वनाश का कर्ता भी कहा जा सकता है। इसलिए आत्मघातक बनने से बचने के लिए हमें अपनी शक्ति के अनुसार सद्साहित्य की वृद्धि करनी चाहिए।

5. परिपत्र एवं अनुस्मारक का अन्तर स्पष्ट करते हुए दोनों के एक-एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिए। 15

अथवा

शासकीय एवं अर्धशासकीय पत्र के भाषागत वैशिष्ट्यों का उल्लेख करते हुए दोनों के एक-एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।

6. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों में से किन्हीं पाँच के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिए : 15

(A) Amendment

(B) Beneficiary

(C) De facto

(D) Development Oriented

(E) Extravagance

(F) Insolvency

(G) Persual

(H) Authentic

(I) Mutability

(J) Survivor

अथवा

निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच के अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द लिखिए :

(A) अनुमोदन

(B) अधीनस्थ

(C) प्रलेख

(D) मसौदा

(E) व्यय खर्च

(F) प्रक्षेपण

(G) विश्वस्त सूत्र

(H) परावर्तन

(I) क्षतिपूर्ति

(J) विलेख

7. निम्नलिखित मुहावरों/कहावतों में से किन्हीं पाँच का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : $5 \times 3 = 15$

(A) आठ-आठ आँसू रोना

(B) घड़ों पानी पड़ जाना

(C) चाँद पर थूकना

(D) जमीन पर पैर न पड़ना

(E) पौ बारह होना

(F) आये थे हरिभजन को ओटन लगे कपास

(G) कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा।

(H) छप्पर पर फूस नहीं, ड्योढ़ी पर नाच।

(I) तसलवा तोर कि मोर

(J) मेढकी को जुकाम होना

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए : $5 \times 3 = 15$

(A) 'चन्द्र + उदय' की संधि कीजिए।

(B) 'धनुष्टंकार' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

(C) 'नीलकंठ' शब्द में कौन सा समास है ?

(D) 'बारहमासा' में कौन सा समास है ?

(E) 'आविर्भाव' का विलोम शब्द बताइये।

(F) 'कर्पट' तथा 'चतुष्काठ' तत्सम शब्दों के तद्भव शब्द बताइये।

(G) 'ठाँव' तथा 'पहचान' तद्भव शब्दों के तत्सम शब्द बताइये।

(H) 'पाणि', 'भगिनी' तथा 'कालकूट' के दो-दो पर्यायवाची शब्द बताइये।

(I) 'लाघव विराम' के चिह्न का प्रयोग क्यों करते हैं ? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

(J) 'अंजर-पंजर' किस प्रकार का शब्द है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 3 = 15$

"नाटककारों में कालिदास का नाम सर्वप्रथम आता है । उनका अंतिम नाटक अभिज्ञान-शाकुन्तल, जिसकी कथा महाभारत से ली गई है, संस्कृत साहित्य की सर्वोत्कृष्ट रचना मानी जा सकती है । इसे कालिदास की अनुपम उपलब्धि कही जाए तो इसमें अतिशयोक्ति नहीं होगी । विश्व साहित्य में इस नाटक को जो स्थान प्राप्त है वह अब तक किसी भारतीय रचनाकार की पहुँच से परे है । इस नाटक में कालिदास ने भारतीय जीवन के विभिन्न पक्षों का आदर्श रूप चित्रित किया है । उन्होंने शृंगार रस के सुरुचिपूर्ण प्रवाह को काव्य जगत की गौरवशालिनी मर्यादा के भीतर रखकर लोकोत्तर आनन्द की सृष्टि की है ।"

(A) ऊपर के गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

(B) संस्कृत साहित्य में किस नाटककार का नाम सबसे पहले आता है ?

(C) कालिदास के अंतिम नाटक का नाम बताइये ।

(D) 'अभिज्ञान-शाकुंतल' की कथा किस भारतीय महाकाव्य से ली गई है ?

(E) 'अभिज्ञान-शाकुंतल' की विशेषता बताइये ।

अथवा

"पुस्तकालय सभ्यता के विकास का प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत करता है । इसी के परिप्रेक्ष्य में भारत अपने अतीत पर गर्व कर सकता है । भारत के सन्दर्भ में पुस्तकालय कोई नई चीज नहीं है । लिपि के आविष्कार से लेकर आज तक लोग निरन्तर पुस्तकों का संग्रह करते रहे हैं । मुद्रणकला के आविष्कार से पहले पुस्तकों का संग्रह करना आसान नहीं था । आजकल साधारण स्थिति के पुस्तकालय में जितनी संपत्ति लगती है उतनी उन दिनों कभी-कभी एक पुस्तक को तैयार करने में लग जाया करती थी । इसके बावजूद भारत के पुस्तकालय अपने

पुस्तक संग्रह के लिए विश्वविख्यात थे। यही कारण है कि चीन, फारस जैसे सुदूरवर्ती देशों से झुण्ड के झुण्ड विद्यानुरागी लम्बी यात्रायें करके भारत आया करते थे।"

(A) ऊपर के गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(B) किसी भी सभ्यता के विकास का प्रत्यक्ष प्रमाण क्या है ?

(C) मुद्रणकला के आविष्कार से पहले पुस्तकों का संग्रह अत्यंत कठिन क्यों था ?

(D) पुस्तकालयों के कारण भारत को क्या गौरव प्राप्त था ?

(E) भारत में पुस्तकों का संग्रह कब से होता रहा है ?

10. वर्ष 2015 में वैश्विक स्तर पर सम्पन्न हुए किसी एक शिखर सम्मेलन का प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए। 15